Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

BMU IN NEWS

BABA MASTNATH UNIVERSITY

05 March, 2023
Sunday
Page No.1

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

बीएमयू में चल रहा एनएसएस शिविर संपन्न

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हो गया। इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. नवीन शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. ललित कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. रवि राणा, डॉ. अजय दहिया, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. देवेंद्र वशिष्ठ, डॉ. नवदीप बिसला सहित सभी संकाय अधिष्ठाता एवं विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन

रोहतक| बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ. अंजना राव, अति विशिष्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.एस. यादव रही। कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर परहित की भावना से जीना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक अधिकारी डॉ. मंजीत और डॉ.प्रीति के नेतृत्व में इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

रोहतक केसरी

बी.एम.यू. में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

शिविर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को सम्मानित करते मुख्यातिथि।

रोहतक, 4 मार्च (दिनपाल) : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विगत सात दिनों से चल रहे एनएसएस शिविर का समापन किया गया। अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डा. अंजना राव, अति विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.एस. यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डा. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमें अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर परहित की भावना से जीना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन सफल है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रकृति सदैव हमें यह सिखाती है कि प्रत्येक वस्तु वह स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए उत्पन्न करती है।

जिसका साक्षात उदाहरण हमें फलदार वृक्षों से, नदियों से और संतों को देखने से मिलता है,क्योंकि ये सब मानव कल्याण के लिए ही समर्पित हैं।

हमें भी निज हित त्याग कर परहित की भावना अपने अंदर विकसित करनी चाहिए।

वहीं स्वच्छता अभियान हेतु जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय के समीप कॉलोनी मस्तनाथ नगर में साफ सफाई का अभियान चलाया गया, 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' के संबंध में रैली का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, करो योग रहो नीरोग, मानव स्वास्थ्य पर दूषितजल का प्रभाव, प्लास्टिक मुक्त भारत विषय पर स्वयंसेवकों ने पेंटिंग बनाई।

संसार में मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है

वहीं, प्रो. आर.एस.यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इस संसार में मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है। मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो परहित की भावना को समझ सकता है। इसलिए हमें अपने जीवन में परोपकार की भावना को अपनाना चाहिए। विशेष शिविर के तहत इस सात दिनों में अनेक विद्वानों द्वारा स्वयं सेवकों को सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इस मौके पर रजिस्ट्रार डा. मनोज कुमार वर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स डा. नवीन शर्मा, परीक्षा नियंत्रक [illegible], डा. ललित कुमार, डीएसडब्ल्यू [illegible], डा. अजय दहिया, डा सुधीर [illegible] वशिष्ठ एवं विभाग अध्यक्ष उप.

दैनिक उजाला आज तक

बी.एम.यू. में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विगत 7 दिनों से चल रहे एनएसएस शिविर का समापन किया गया इस मौके पर कार्यक्रम की बतौर मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ. अंजना राव, अति विशिष्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.एस. यादव गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर परहित की भावना से जीना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन सफल है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रकृति सदैव हमें यह सिखाती है कि प्रत्येक वस्तु वह स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए उत्पन्न करती है। जिसका साक्षात उदाहरण हमें फलदार वृक्षों से, नदियों से और संतो को देखने से मिलता है,क्योंकि ये सब मानव कल्याण के लिए ही समर्पित हैं। हमें भी निज हित त्याग कर परहित की भावना अपने अंदर विकसित करनी चाहिए।

प्रो. आर.एस.यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इस संसार में मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है। मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो परहित की भावना को समझ सकता है। इसलिए हमें अपने जीवन में परोपकार की भावना को अपनाना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक अधिकारी डॉ. मंजीतऔर डॉ.प्रीति के नेतृत्व में इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

विशेष शिविर के तहत इस सात दिनों में अनेक विद्वानों द्वारा स्वयं सेवकों को सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए व्याख्यानों का आयोजित किया गया। स्वच्छता अभियान हेतु जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय के समीप कॉलोनी मस्तनाथ नगर मे साफ सफाई का अभियान चलाया गया, "बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' के संबंध मे रैली का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, करो योग रहो नीरोग,मानव स्वास्थ्य पर दूषितजल का प्रभाव, 'प्लास्टिक मुक्त भारत 'विषय पर स्वयंसेवकों ने पेंटिंग बनाई।

इस कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवकों ने खूब बढ -चढ़कर भाग लिया।

इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. नवीन शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ.मुकेश सिंगला, डॉ. ललित कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. रवि राणा, डॉ.अजय दहिया, डॉ.सुधीर मलिक, डॉ. देवेंद्र वशिष्ठ, डो नवदीप बिसला सहित सभी संकाय अधिष्ठाता एवं विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे।

Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

05 March, 2023
Sunday
Page No.1

BMU IN NEWS

BABA MASTNATH UNIVERSITY

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

बीएमयू में चल रहा एनएसएस शिविर संपन्न

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हो गया। इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. नवीन शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश सिंगला, डॉ. ललित कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. रवि राणा, डॉ. अजय दहिया, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. देवेंद्र वशिष्ठ, डॉ. नवदीप बिसला सहित सभी संकाय अधिष्ठाता एवं विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हुआ। इसमें मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ. अंजना राव, अति विशिष्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.एस. यादव रही। कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर परहित की भावना से जीना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक अधिकारी डॉ. मंजीत और डॉ.प्रीति के नेतृत्व में इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

रोहतक केसरी

बी.एम.यू. में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

शिविर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को सम्मानित करते मुख्यातिथि।

रोहतक, 4 मार्च (सैनसाल) : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विगत सात दिनों से चल रहे एनएसएस शिविर का समापन किया गया। अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डा. अंजना राव, अति विशिष्ट अथिति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.एस. यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डा. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमें अपने निजी स्वार्थों की त्याग कर परहित की भावना से जीना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन सफल है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रकृति सदैव हमें यह सिखाती है कि प्रत्येक वस्तु वह स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए उत्पन्न करती है।

जिसका साक्षात उदाहरण हमें फलदार वृक्षों से, नदियों से और संतो को देखने से मिलता है,क्योंकि ये सब मानव कल्याण के लिए ही समर्पित हैं।हमें भी निज हित त्याग कर परहित की भावना अपने अंदर विकसित करनी चाहिए।

वहीं,स्वच्छता अभियान हेतु जागरूककरने के लिए विश्वविद्यालय के समीप कॉलोनी मस्तनाथ नगर में साफ सफाई का अभियान चलाया गया, 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' के सबंध मे रैली का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, करो योग रहो नीरोग,मानव स्वास्थ्य पर दूषितजल का प्रभाव, प्लास्टिक मुक्त भारत विषय पर स्वयंसेवकों ने पेंटिंग बनाई।

संसार में मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है

वहीं, प्रो. आर.एस. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इस संसार में मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है। मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो परहित की भावना को समझ सकता है। इसलिए हमें अपने जीवन में परोपकार की भावना को अपनाना चाहिए। विशेष शिविर के तहत इस सात दिनों में अनेक विद्वानों द्वारा स्वयं सेवकों को सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इस मौके पर रजिस्ट्रार डा. मनोज कुमार वर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स डा. नवीन शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डा. मुकेश सिंगला, डा. ललित कुमार, डीएसडब्ल्यू डा. रवि राणा, डा. अजय दहिया, डा. सुधीर मलिक, डा. देवेंद्र वशिष्ठ, डा. नवदीप बिसला सहित सभी संकाय अधिष्ठाता एवं विभाग अध्यक्ष उप.

दैनिक उजाला आज तक

बी.एम.यू. में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विगत 7 दिनों से चल रहे एनएसएस शिविर का समापन किया गया इस मौके पर कार्यक्रम की बतौर मुख्य अतिथि बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ. अंजना राव, अति विशिष्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आर.एस. यादव गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों को सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हुए डॉ. अंजना राव ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सरोकार ही हमें समाज सेवा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर परहित की भावना से जीना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन सफल है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रकृति सदैव हमें यह सिखाती है कि प्रत्येक वस्तु वह स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए उत्पन्न करती है। जिसका साक्षात उदाहरण हमें फलदार वृक्षों से, नदियों से और संतो को देखने से मिलता है,क्योंकि ये सब मानव कल्याण के लिए ही समर्पित हैं। हमें भी निज हित त्याग कर परहित की भावना अपने अंदर विकसित करनी चाहिए।

प्रो. आर.एस.यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इस संसार में मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है। मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो परहित की भावना को समझ सकता है। इसलिए हमें अपने जीवन में परोपकार की भावना को अपनाना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक अधिकारी डॉ. मंजीतऔर डॉ.प्रीति के नेतृत्व में इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

विशेष शिविर के तहत इस सात दिनों में अनेक विद्वानों द्वारा स्वयं सेवकों को सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए व्याख्यानों का आयोजित किया गया। स्वच्छता अभियान हेतु जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय के समीप कॉलोनी मस्तनाथ नगर में साफ सफाई का अभियान चलाया गया, "बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' के सबंध मे रैली का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, करो योग रहो नीरोग,मानव स्वास्थ्य पर दूषितजल का प्रभाव, 'प्लास्टिक मुक्त भारत 'विषय पर स्वयंसेवकों ने पेंटिंग बनाई।

इस कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवकों ने खूब बढ -चढकर भाग लिया।

इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. नवीन शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ.मुकेश सिंगला, डॉ. ललित कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. रवि राणा, डॉ.अजय दहिया, डॉ.सुधीर मलिक, डॉ. देवेंद्र वशिष्ठ, डॉ नवदीप बिसला सहित सभी संकाय अधिष्ठाता एवं विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे।